समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

ऑपरेशन सिंदूर के बाद दूसरे दिन भी छलांग लगा रहा शेयर बाजार, 120 अंक चढ़ा सेसेंक्स, निफ्टी 24,400 पार।

Publisher Published on 08 May 2025

एक दिन पहले मानक सूचकांक सेसेंक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए. बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेसेंक्स 105.71 अंक यानी 0.13 प्रतिशत चढ़कर 80,746.78 अंक पर बंद हुआ.

सीमा पर भारत और पाकिस्तान में जारी तनाव के बीच गुरुवार 8 अप्रैल 205 को शेयर बाजार ग्रीन जोन में खुला और सकारात्मक रुख दिख रहा है. सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में सुबह करीब साढ़े नौ बजे 34.21 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की उछाल के साथ 80,771.22 पर कारोबार कर रहा था. लेकिन बाद में ये और 120 अंक ऊपर चढ़ गया. जबकि निफ्टी 4.45 अंक यानी 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 24,406.65 के लेवल पर कारोबार कर रहा है. टाटा मोटर्स के शेयर तीन प्रतिशत उछाल के साथ ऊपर भागा है. आज जिन कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नजर रहने वाली है, वो हैं- एशियन पेंट, टाइटन और एलएंडटी.

शेयर बाजार में उछाल
एक दिन पहले मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए. बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के अंत में 105.71 अंक यानी 0.13 प्रतिशत चढ़कर 80,746.78 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 80,844.63 अंक के ऊपरी स्तर तक गया और 79,937.48 अंक के निचले स्तर तक आया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 34.80 अंक यानी 0.14 प्रतिशत बढ़कर 24,414.40 अंक पर बंद हुआ.

कारोबार के दौरान निफ्टी 24,449.60 के उच्च स्तर और 24,220 के निम्न स्तर के बीच घूमता रहा. व्यापक बाजार के

सूचकांक भी शुरुआती दौर में आई बड़ी गिरावट से उबरने में सफल रहे और एक प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुए. रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के रिसर्च एनालिस्ट अजीत मिश्रा का कहना है कि आतंकवादी हमले का जवाब सैन्य कार्रवाई से देने के बाद कारोबारी सत्र की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी. लेकिन बाद में यह तेजी से नुकसान की भरपाई करने में सफल रहा और बढ़त के साथ बंद हुआ.

फेड ने ब्याज दरों में नहीं किया परिवर्तन

अमेरिकी केन्द्रीय बैंक यूएस फेडरल रिजर्व ने प्रमुख ब्याज दरों में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया. इसके पीछे उन्होंने मुद्रास्फीति में तेजी के जोखिम और बेरजोगारी को बड़ा फैक्टर बताया है. ये लगातार तीसरी बार है जब यूएस फेडरल रिजर्व की तरफ से प्रमुख ब्याज दरों में किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं किया गया. हालांकि, यूएएस फेड के इस ऐलान के बाद अमेरिकी बाजार में जरूर गिरावट दिखी.

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.